जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 60 | अंक-23 | जयपुर, सोमवार, 17 जून, 2024 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

हैप्पी फादर्स डे

जून माह के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाया जाता है। पिता की भावनाएं, परिश्रम,त्याग अक्सर अनकहे रह जाते हैं। उनकी क्या अपेक्षाएं हैं ? उन्हें सबसे ज्यादा चिंता किस बात की है ? क्या बच्चे उनकी अपेक्षाओं और इच्छाओं पर खरे उतर रहे हैं ? पिता को बच्चों की शिक्षा और करियर की चिंता रहती है। पिता बनने के बाद जिम्मेदारी और परिवार के लिए निस्वार्थ भाव से कुछ करने का अहसास बढ़ जाता है। पिता बनने के बाद ही जीवन में पूर्णता का अनुभव होने लगता है। पिता अपनी चुनौतियों और बच्चों के लिए प्यार के बारे में कम ही भावनाएं जाहिर कर पाते हैं। पिता अपने बच्चों से कह नहीं पाते कि 'मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं।'

पिता के संघर्ष और अनुभव के आगे हर चुनौती छोटी होती है। कहते हैं जब बच्चे का जन्म होता है तो एक मां का जन्म होता है, लेकिन इस समय एक पिता का भी तो जन्म होता है। पिता बनने के पहले दिनों और हफ्तों में पुरुषों में मस्तिष्क के वह हिस्से जो लगाव, पोषण और संवेदनशीलता से जुड़े होते हैं, वह अधिक सक्रिय होने लगते हैं।

वो पिता ही हैं जो सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपने कन्धों पर लेते हैं ! वो पिता ही हैं जो मुसीबत में ढाल बनकर सबसे आगे खड़े नजर आते हैं । वो पिता ही हैं जो हमें सही गलत का फर्क बताते हैं। इसलिए अपने माता-पिता का सम्मान करें !

शहीद जीतराम गुर्जर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम

हमारी सरकार जो कहती है, वो करती है:सीएम

मुख्यमंत्री ने 132 केवी ग्रिड सब स्टेशन (सिकरी) का किया लोकार्पण

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है और यहां के वीर सपूतों ने देश की सुरक्षा में अग्रणी रहकर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया है। हमारे लिए मातृभूमि की रक्षा ही सबसे बड़ा धर्म और जन्मभूमि ही स्वर्ग से बढ़कर है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए किये गए शहीदों के बलिदान आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। शर्मा डीग के सुंदरावली में शहीद जीतराम गुर्जर के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम एवं किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पुलवामा में हुए हमले का भारतीय सेना के सैनिकों ने मुंहतोड़ जबाव दिया था। जबकि प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार ने शहीद वीरांगनाओं और उनके परिवार के साथ अपमानजनक व्यवहार किया। वहीं हमारी सरकार शहीद के परिवारों की हरसंभव मदद के लिए तैयार है तथा शहीदों के सम्मान के लिए उनके नाम पर अस्पताल, विद्यालय आदि संस्थानों का नामकरण किया जायेगा। साथ ही उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि शहीद जीतराम राजकीय महाविद्यालय, नगर के नामकरण में भी सुधार किया जायेगा।

किसान हित के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी केन्द्र एवं राज्य सरकार किसान एवं गरीब वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पदभार ग्रहण करते ही सबसे पहले किसान सम्मान निधि की 17वीं किश्त जारी करने का काम किया है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत राशि 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार रुपये की गई है। प्रदेश में गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के अन्तर्गत 5 लाख गोपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही, 248 मोबाइल वेटेनरी इकाइयों के माध्यम से पशुओं को त्वरित चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गेहूं के एमएसपी पर 125 रुपये बोनस प्रदान कर 2,400 रुपये करने, फसली ऋण वितरण योजनान्तर्गत 10 हजार करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण उपलब्ध करवाने और 41 हजार 137 नवीन कृषकों को ऋण उपलब्ध करवाने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

बिजली-पानी की निर्बाध आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जो कहती है, वो करती है। हमारी सरकार ने 90 दिनों में संकल्प पत्र के लगभग 45 प्रतिशत वादों को पूरा किया है। जबकि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में बिजली, पानी का संकट बना रहा तथा हर घर जल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन में भी गंभीर अनियमिताएं हुई।

मनरेगा : 5 घंटे में काम पूरा तो छुट्टी, एक श्रमिक छोटे बच्चों को संभालेगी

जयपुर (हमारा वतन)। सरकार ने मनरेगा को राहते देते हुए तय किया है कि यदि श्रमिक निर्धारित काम 5 घंटे में पूरा करता है तो उसे छुट्टी दे दी जाएगी। गर्मी को देखते यह निर्णय किया गया है। आयुक्त टीना डाबी ने इस संबंध में समस्त कलेक्टर एवं कार्यक्रम समन्वयकों को यह आदेश जारी कर दिया है। इसके अनुसार काम पूरा होने के बाद श्रमिक को कार्यस्थल पर नहीं

रोका जा सकेगा। निर्देश में यह भी कहा कि कार्यस्थल पर स्वच्छ पेयजल व भामाशाह की मदद से छाछ, कैरी छाछ, नींबू पानी एवं शरबत आदि की व्यवस्था कराई जाए। कार्यस्थल पर 5 साल से कम आयु के 5 से अधिक बच्चे आते हैं तो एक महिला श्रमिक उन बच्चों की देखभाल करेगी। बच्चों को सुलाने के लिए छाया एवं झूलों की व्यवस्था भी करनी होगी।

मुख्यमंत्री का बड़ा फैसला: तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं को मिलेगा 50 प्रतिशत आरक्षण

जयपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने संकल्प-पत्र में किए गए एक और महत्वपूर्ण वादे को पूरा किया है। शर्मा ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण की सीमा 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के लिए राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से राज्य में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर होकर और सशक्त बन सकेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह-2024: सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगा आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संपूर्ण प्रदेश में आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राज्य स्तरीय आयोजन होगा। वहीं, जिला मुख्यालयों, ब्लॉक मुख्यालयों एवं पंचायत समिति मुख्यालयों पर भी 21 जून को प्रातः 7 से 8 बजे तक योगाभ्यास किया जाएगा। राज्य स्तरीय समारोह के सफल आयोजन के लिए शनिवार को कलक्टर सभागार में आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. आनंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजन समितियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में निदेशक ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए समिति प्रभारियों को दिशा निर्देश प्रदान किये। साथ ही योग स्थल पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए 8 टीमों का गठन किया गया। प्रत्येक टीम में 5 सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक एवं राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी जयपुर संभाग डॉ. सीतेश्वर प्रसाद भारद्वाज, मुख्य कार्यकारी अधिकारी औषध पादप मण्डल डॉ. बत्तीलाल बैरवा सहित अन्य समितियों के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्लोबल विंड डे पर दिल्ली में हुआ एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली (हमारा वतन)। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शनिवार को ग्लोबल विंड डे के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार की तरफ से ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। वैश्विक पवन ऊर्जा दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारत में पवन ऊर्जा अपनाने में तेजी लाने के संभावित तरीकों पर चर्चा का केंद्रीय विषय 'पवन-ऊर्जा-पावरिंग द फ्यूचर ऑफ इंडिया' रखा गया। इस दौरान भारत में पवन ऊर्जा की प्रगति, तट से दूर पवन ऊर्जा विकास, पवन ऊर्जा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम में आलोक ने बढ़ती हुई ऊर्जा की मांग को पूरा करने में पवन ऊर्जा की भूमिका पर आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अपना वक्तव्य रखा। जहां केंद्रीय मंत्री से लेकर सरकार के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजस्थान ने किस तरह पवन ऊर्जा के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित किया है इसकी भी तारीफ की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान ने पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अन्य राज्यों की अपेक्षा लगातार बहुत अच्छा काम किया है और इस उपलब्धि के लिए पूर्व में राजस्थान सरकार को केंद्र की ओर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है। कार्यक्रम में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नथमल डिडेल भी मौजूद रहे।

इग्नू के माध्यम से दो डिग्री एक साथ करने की सुविधा

जयपुर (हमारा वतन)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के छात्रों को विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में अपने मौजूदा डिग्री कार्यक्रमों के साथ साथ दोहरी डिग्री प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। डॉ. ममता भाटिया, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केन्द्र जयपुर ने बताया कि यूजीसी के नियमानुसार विद्यार्थी अब दो कार्यक्रमों में एक साथ प्रवेश ले सकता है। विद्यार्थी एक कार्यक्रम तो रेगुलर मोड पर कर सकता है तथा दूसरा दूरस्थ शिक्षा मोड में। इग्नू विश्वविद्यालय अपने लचीलेपन तथा छात्र केंद्रित शिक्षा प्रणाली के तहत विद्यार्थियों को दो डिग्री अपने रूचि के क्षेत्रों मे करने के अवसर प्रदान करता है जिससे वे रोजगार के नये अवसर प्राप्त कर सकते है। कोई भी विद्यार्थी जो रेगुलर मोड में यूजी या पीजी कर रहा हो ऐसा विद्यार्थी इग्नू के यूजी व पीजी कार्यक्रम में प्रवेश लेके तीन वर्ष या दो वर्ष में एक साथ दो डिग्री प्राप्त कर सकता है।

इग्नू ने जुलाई सत्र 2024 के लिए प्रवेश प्रारंभ कर दिये है जिसकी अंतिम तिथि 30 जून 2024 रखी गयी है। विद्यार्थी यूजीसी द्वारा लागू नये नियमों के अनुसार एक ही संकाय के समान विषयो में या दो विपरीत लेकिन पूरक क्षेत्रों के लिए कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।

इग्नू कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की कोई टीसी जमा नहीं करानी होगी तथा विश्वविद्यालय में आयु की कोई सीमा नहीं होने के कारण यह विद्यार्थियों के लिए एक बेहतर विकल्प है। इग्नू के सभी कार्यक्रम यूजीसी से मान्यता प्राप्त है तथा उन्हें विदेशों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मान्यता से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक 11 अगस्त को

जयपुर (हमारा वतन)। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में चौमूं में संरक्षक शिक्षाविद् सांवरमल शास्त्री के सानिध्य एवं प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी पदाधिकारीयों की सहमति से 11 अगस्त 2024, रविवार को कागलिया बालाजी मंदिर में शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं महाआरती कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान कार्यक्रम के लिए समितियाँ गठित कर जिम्मेदारियां सौंपी गई। कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन 15 जून 2024 से प्रारंभ किया गया । कार्यक्रम को विधिवत संपन्न करवाने के लिए आचार्य पंडित रामस्वरूप शर्मा, पं. कैप्टन श्रीराम शर्मा, पं. जयप्रकाश शर्मा, पं. अमित शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस अवसर पर बनवारी लाल शर्मा, सत्य प्रकाश पारीक, चंद्र प्रकाश शर्मा, एडवोकेट अजय कुमार शर्मा, एडवोकेट हेमेंद्र शर्मा, ओम प्रकाश रीडर, डॉ. बंशीधर शर्मा, डॉ. पवन कुमार तिवाडी, नारायण लाल शर्मा, अशोक रेवडका, बनवारी लाल भातरा, डॉ. सीताराम कुमावत, सुनीता शर्मा, मंजू माहेश्वरी, राजेश महेश्वरी आदि लोग उपस्थित रहे ।

शॉर्ट फिल्म अपमान का हुआ भव्य मुहूर्त

जयपुर (हमारा वतन)। संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित होने वाली शॉर्ट फिल्म अपमान का मुहूर्त सीकर रोड, गोविंदगढ़, तांतेड़ा मोड स्थित कुटुम्बकम होटल में पूर्ण-विधि विधान से संपन्न हुआ । मुहूर्त के दौरान फिल्म के कलाकार पंडित रविंद्र आचार्य, शेर सिंह कुमावत, मोहन सैनी, संदीप शर्मा, दुर्गा शंकर आदि पर दृश्य फिल्माए गए।

फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि अपमान शॉर्ट फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि एक घटना कैसे एक व्यक्ति की जिंदगी बदल देती है । एक व्यक्ति कैसे अपमान करता है और उस अपमान से उसको क्या हानि होती है ? फिल्म के दृश्यों का फिल्मांकन जयपुर जिले के विभिन्न लोकेशन पर किया जाएगा। शॉर्ट फिल्म अपमान इंडिया (India) यूट्यूब चैनल पर रिलीज की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले रिलीज की गई शॉर्ट फिल्म हनुमान और अनमोल जीवन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। सभी ने सामाजिक सन्देश देने वाली शॉर्ट फिल्म को सराहा है।

पंडित रविंद्र आचार्य ने किया श्री मोबाइल का भव्य शुभारंभ

जयपुर (हमारा वतन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने श्री मोबाइल का भव्य शुभारंभ किया। पंडित हरिओम महाराज ने विधि- विधान से पूजा अर्चना करवायी। आचार्य ने बताया कि मालपुरा गेट, जयपुर सांगानेर बस स्टैंड के सामने श्री मोबाइल शॉप का फीता काटकर शुभारंभ किया। ऑनर नरेश जांगिड़ को बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर, श्याम कलम देकर सम्मानित किया और इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान भावेश जांगिड़ ,रतन मोदी, पदमाराम जांगिड़ ,युवराज जांगिड़, आकाश जांगिड़ ,अशोक जांगिड़, देवाराम ,विष्णु जांगिड़, श्रवण जांगिड़ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्कॉलरशिप बंद कर भाजपा सरकार राज्य को सालों पीछे ले जाना चाहती है -गहलोत

जयपुर (हमारा वतन)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कॉलेज बंद करने की सोच के बाद अब विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप रोकने का कार्य दिखाता है कि भाजपा सरकार राजस्थान को सालों पीछे ले जाना चाहती है। गहलोत ने चुटकी ली और कहा- मैं बार-बार कहता हूं कि बाबा साहेब अम्बेडकर को बड़ौदा के महाराजा ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी पढ़ने भेजा तो उन्होंने आकर संविधान निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनायी और और सामाजिक उत्थान का बहुत बड़ा प्रयास किया। अब विदेश में पढ़ने गए 500 विद्यार्थियों में से 5 भी आकर सांइटिस्ट, आईटी एक्सपर्ट, टेक्नोक्रेट के रूप में काम करेंगे तो देश का भला होगा।

18वां मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सवः सुब्बैया नल्लमुथु वी. शांताराम को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

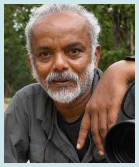

नई दिल्ली (हमारा वतन)। 18वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म उत्सव (एमआईएफएफ) में वन्यजीव पर आधारित प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुब्बैया नल्लमुथु को बहुप्रतीक्षित वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिसकी घोषणा सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने की। डॉ. एल. मुरुगन ने एनएफडीसी परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, मैं इस बार प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने के लिए नल्लमुथु को बधाई देता हूं। वन्यजीव फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म उत्सव में सुब्बैया नल्लमुथु को यह पुरस्कार प्रदान करेगा। सुब्बैया नल्लमुथु ने वन्यजीव पर आधारित फिल्मों के निर्माण में असाधारण योगदान दिया है, जिससे उन्हें पूरे विश्व में सराहना मिली है। सुब्बैया नल्लमुथु भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने लिविंग ऑन द एज, भारत की सबसे लंबे समय तक चलने वाली पांडा पुरस्कार विजेता पर्यावरण श्रृंखला में अपने काम से मान्यता प्राप्त की। उनकी विशेषज्ञता भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ एक हाई-स्पीड कैमरामैन के रूप में उनके कार्यकाल तक फैली हुई है।

बोर्ड परीक्षाओं में अब छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड-रेस्टरूम ब्रेक मिलेगा

नई दिल्ली (हमारा वतन)। अब 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड और रेस्टरूम ब्रेक मिलेगा। केंद्र सरकार के निर्देश में कहा गया है कि बोर्ड परीक्षा में मासिक धर्म के दौरान लड़कियों को असुविधा का सामना न करना पड़े, उन्हें उचित सुविधा समय पर उपलब्ध कराई जाए। परीक्षा के दौरान हाइजीन मैनेजमेंट की दिक्कत से लड़कियों के सामने कई चुनौतियां आती हैं। इसे देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने स्कूलों, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति को एडवाइजरी जारी की है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच मासिक धर्म को लेकर असहजता को कम करने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन को भी कहा है।

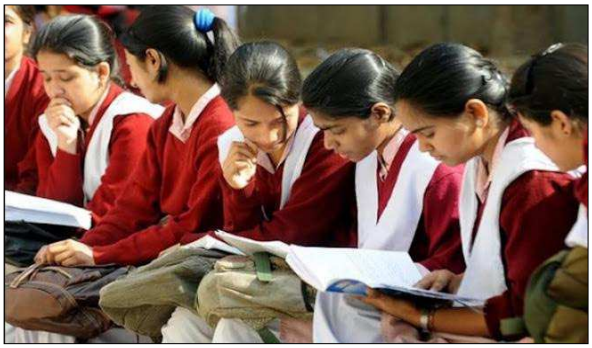

जॉब्स -

1. आईबीपीएस आरआरबी, पद ऑफिस असिस्टेंट व अन्य, पद संख्या 9995, अंतिम तिथि 27 जून 2024
2. भारतीय स्टेट बैंक, पद स्पेशलिस्ट ऑफिसर, पद संख्या 174, अंतिम तिथि 27 जून 2024
3. एनपीसीआईएल, पद अस्सिटेंट ग्रेड 1, पद संख्या 58, अंतिम तिथि 25 जून 2024
4. बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स बीएसएफ, वाटर विंग ग्रुप बी व ग्रुप के पोस्ट, पद संख्या 164, अंतिम तिथि 1 जुलाई 2024
5. इंडियन एयरफोर्स, पद एएफसीएटी? पद संख्या 277, अंतिम तिथि 28 जून 2024
6. आरपीएससी, पद असिस्टेंट टेस्टिंग ऑफिसर, जूनियर केमिस्ट, असिस्टेंट डायरेक्टर, पद संख्या 14 अंतिम तिथि 18 जुलाई 2024
7. यूपीएसएसएससी, पद होम्योपैथिक फार्मासिस्ट, पद संख्या 397, अंतिम तिथि 19 जुलाई 2024
8. सेबी, पद ऑफीसर ग्रेड ए असिस्टेंट मैनेजर, पद संख्या 97, अंतिम तिथि 30 जून 2024

बॉलीवुड चटकारा

कियारा आडवाणी ने बॉलीवुड में 10 साल पूरे किए, प्रशंसकों के साथ मनाया खास दिन

बॉलीवुड अदाकारा कियारा आडवाणी ने बॉलीवुड में एक दशक पूरा कर लिया। अदाकारा ने अपने खास दिन को प्रशंसकों के बीच एक फैन मीट में मनाया। वह सफेद जंपसूट पहनकर मुंबई के एक रेस्टोरेंट में अपने प्रशंसकों से मिलीं। अदाकारा को अपने प्रशंसकों से मिल रहे प्यार को देखकर भावुक होते हुए भी देखा गया। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए इंस्टाग्राम का भी सहारा लिया।कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह अपनी टीम के साथ एक पुराना वीडियो शेयर करती नजर आईं। बाद में अदाकारा ने अपने मुंबई स्थित आवास पर एक छोटा सा जश्न मनाया और सीधे फैन मीट में चली गईं। उन्होंने कहा- 13 जून 2014, 10 साल और ऐसा लगता है जैसे यह कल की ही बात हो.. मैं अभी भी वही लड़की हूँ, जो अपने दिल की गहराई में अपने परिवार के लिए परफॉर्म करने के लिए उत्साहित रहती है.. बस अब मेरा परिवार बहुत बड़ा हो गया है क्योंकि आप में से हर कोई इसका हिस्सा है.. सभी आशीर्वाद, प्रार्थना, प्यार, सपने, अनुभव, यादें, मुस्कुराहट, आंसू, सीख, यात्रा, फिल्में, मेरे द्वारा निभाए जाने वाले किरदार, मेरे निर्देशक, निर्माता, सह-अभिनेता, गुरु, शिक्षक, आलोचक, दर्शक, मेरा परिवार, मेरे प्रशंसक और आप में से हर एक के लिए आभारी हूँ जिसने इस सपने को साकार किया है! आपके निरंतर समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद।

कियारा के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा का इंस्टा पोस्ट-कियारा आडवाणी के पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी अपनी पत्नी के प्रति प्यार बरसाने के लिए उनकी इंस्टाग्राम स्टोरी का सहारा लिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कड़ी मेहनत, प्यार और जुनून के एक दशक को चीयर्स। चमकते रहो! #v®yearsofkiaraadvani" सिद्धार्थ और कियारा की मुलाकात भी शेरशाह के सेट पर हुई थी, जहां दोनों में प्यार हुआ, चार साल तक डेट किया और 7 फरवरी, 2023 को राजस्थान के जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी कर ली। **कियारा आडवाणी की फिल्मोग्राफी**-जिन लोगों को नहीं पता, उन्हें बता दें कि कियारा आडवाणी की पहली फिल्म फगली थी, जो बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर गई थी।

ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा को नहीं मिल रहा काम पोस्ट शेयर कर लिखा-फेमस एक्टर को डेट किया इसलिए ढाई साल से नहीं मिला काम

ऋतिक रोशन और सबा आजाद बॉलीवुड के फेमस कपल्स की लिस्ट में शामिल हैं। सबा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करके बताया कि उन्हें ढाई साल से काम नहीं मिल रहा है। उन्होंने खुलासा किया कि ऋतिक को डेट करने के बाद उन्हें कोई भी वॉयस ओवर का काम नहीं मिल रहा है। एक्ट्रेस ने इससे जुड़ा पोस्ट शेयर किया और बताया कि उन्हें किस तरह की समस्याएं झेलनी पड़ती हैं।

सबा ने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा- मैं अपने काम पर वापस आ चुकी हूं। लगभग दो साल बाद वॉयस ओवर कर रही हूं। लेकिन मैं दो साल बाद क्यों लौटी ये बताती हूं। आप लोगों में से कुछ लोग जानते होंगे और कुछ नहीं जानते होंगे। मैं कई सालों से बतौर वॉयस आर्टिस्ट काम कर रही थी। मैंने 100 से ज्यादा ऐड्स के लिए डबिंग की है। वॉयस डबिंग करना मुझे बहुत ही ज्यादा पसंद है। मुझे कई सारे ऐड्स में बहुत अच्छे-अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। आप सोचिए की ये मेरे लिए कितना कन्फ्यूजन भरा होगा। जहां मुझे ढाई साल पहले हर महीने 6 से 8 वॉयस आर्टिस्ट का काम मिल जाता था। वहीं अब एक भी नहीं मिलता है। जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना।। एक दिन मैं उठी और मुझे एहसास हुआ कि मैंने महीनों से कोई काम नहीं किया है। वो महीने कब साल में बदल गए पता ही नहीं चला। मैंने कभी किसी काम को मना नहीं किया था। मैंने कभी नहीं कहा कि मुझे काम नहीं चाहिए या मैं काम छोड़ रही हूं। तो ऐसा क्या हो गया कि मुझे काम आना ही बंद हो गया। मुझे कोई आइडिया नहीं था कि क्या हो रहा था। एक दिन मैं एक पुराने डायरेक्टर से मिली, जिनके साथ मैंने पहले काम किया था। मैंने उनसे पूछा कि आप लोग मुझे काम पर क्यों नहीं बुला रहे हैं।

अकेले एक्सरसाइज करने से ज्यादा फायदेमंद है इसे ग्रुप में करना

अगर आप सिर्फ वेट लॉस या बेली फैट कम करने के लिए एक्सरसाइज कर रहीं हैं, तो आपके लिए हमारे पास एक और खुश खबरी है। असल में हर रोज एक्सरसाइज करना न केवल आपके शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। हाल ही में हुई एक रिसर्च में यह सामने आया है कि एक्सरसाइज का फायदा पुरुषों की बजाए महिलाओं को ज्यादा मिलता है। क्योंकि वे इसे समूह में करना पसंद करती हैं। है न अच्छी खबर! आइए जानते हैं इसके बारे में और भी बहुत कुछ।

क्या है पूरा शोध-अमेरिका के कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, सैन डिएगो के शोधकर्ताओं ने पाया कि एक्सरसाइज में भाग लेने पर केवल महिलाओं में डिमेंशिया से बचाव की संभावना अधिक होती है। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि यह विशेष प्रकार की एक्सरसाइज के कारण संभव हुआ। उन्होंने बताया कि ज्यादातर पुरुषों ने अकेले एक्सरसाइज की। जबकि महिलाओं ने क्लास में शामिल होकर एक्सरसाइज करना पसंद किया। इसका अर्थ यह हुआ कि उनके बीच सोशल इंटरैक्शन भी हुआ। लेकिन वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि निष्कर्षों की पुष्टि के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है।

यह आपको डिमेंशिया से भी बचा सकती है -यूसीएसडी के शोधकर्ताओं ने पाया कि एक्सरसाइज महिलाओं में डिमेंशिया को रोकने में अधिक मदद कर सकता है। इसके अलावा, तेज चलने, साइकिल चलाने या यहां तक कि गोल्फ खेलने से भी बुढ़ापे में मेंटल डिक्लाइन से बचने में मदद मिल सकती है। यह डेटा केवल महिलाओं पर ही लागू हो सकता है। उनका मानना है कि महिलाओं द्वारा की जाने वाली एक्सरसाइज का प्रकार इसके पीछे की वजह हो सकता है। पुरुषों की अपेक्षा बड़ी उम्र की महिलाओं के समूह अभ्यासों में भाग लेने की अधिक संभावना बनी।संज्ञानात्मक व्यायाम यानी कॉगनिटिव एक्सरसाइज सभी के लिए मूल्यवान हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि दोनों लिंग मेंटल एक्टिविटीज जैसे कि पढ़ने, बिंगो खेलने और कक्षाओं में भाग लेकर 13 साल तक अपनी एजिंग को धीमा करने में सक्षम हो सकते हैं।

सोच से भी जुड़ी है फिजिकल एक्टिविटी-अध्ययन के अनुसार, अधिक शारीरिक गतिविधि महिलाओं में सोचने की क्षमता से जुड़ी होती है, लेकिन ऐसा पुरुषों में नहीं होता।चूंकि अल्जाइमर रोग के लिए निश्चित रूप से कम-से-कम प्रभावी उपचार हैं, इसलिए रोकथाम महत्वपूर्ण है। कम्युनिटी सेंटर के क्लासेज में जाने, अपने दोस्तों के साथ बिंगो खेलने, सैर करने या बागवानी में अधिक समय बिताने जैसे सरल कदम उठाकर लोग संभावित रूप से अपने कॉगनिटिव रिजर्व में सुधार कर सकते हैं। न्यूरोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित स्टडी में वैज्ञानिकों ने 758 लोगों की मानसिक क्षमता का मूल्यांकन किया, जो लगभग 76 वर्ष के थे। इनमें शामिल कुछ लोगों को किसी प्रकार की थिंकिंग या मेमोरी प्रॉब्लम नहीं थी, तो कुछ को हल्की संज्ञानात्मक दिक्कतें थीं और अन्य को डिमेंशिया था।मानसिक गतिविधि को मापने के लिए, प्रतिभागियों से पूछा गया कि क्या वे पत्रिकाएं, किताबें या समाचार पत्र पढ़ते हैं, क्लासेज में जाते हैं या पिछले 13 महीनों में कभी कार्ड गेम खेला है?

प्रतिभागियों से पूछे गए ये जरूरी सवाल -शारीरिक गतिविधि को मापने के लिए प्रतिभागियों का इंटरव्यू लिया गया कि वे प्रत्येक सप्ताह कौन-कौन सी एक्सरसाइज करते हैं? प्रतिभागियों ने औसतन लगभग 1.4 अंक प्राप्त किए। उन्होंने प्रत्येक सप्ताह लगभग 15 मिनट तक ऐसी गतिविधियों में भाग लिया।

अच्छे कारण जो साबित करते हैं जल्दी उठना है आपके लिए ज्यादा फायदेमंद

जल्दी उठना आमतौर पर एक बोझ की तरह लगता है। मगर सिर्फ इसलिए क्योंकि शायद आप रात में जल्दी नहीं सो रही हैं। यदि आप जल्दी सो जाएं, तो आपको सुबह जल्दी उठने में मदद मिल सकती है। जल्दी उठना न सिर्फ आपके शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। शुरुआत में जल्दी उठना आपको थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन जब आपको इसकी आदत पड़ जाएगी तो आपको यह बिल्कुल अजीब नहीं लगेगा। जल्दी उठने से आपके जीवन में कई तरह के सकारात्मक बदलाव आएंगे, तो चलिये जानते हैं इनके बारे में

1 सकारात्मक ऊर्जा का संचार-हावर्ड हेल्थ के अनुसार अक्सर जिन लोगों का स्लीपिंग पैटर्न सही नहीं होता है वे चिड़चिड़े रहते हैं और उन्हें कई तरह की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लेम्स भी हो सकती हैं। सुबह जल्दी उठने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मन में पॉज़िटिविटी आती है। इसके अलावा, ज्यादा समय तक सोना आपकी प्रॉडक्टिविटी के लिए अच्छा नहीं है।

2 जल्दी उठने वाले लोग समस्याओं का हल निकाल सकते हैं-जो लोग सुबह जल्दी उठते हैं वे बेहतर फोकस कर सकते हैं, अधिक चौकस रहते हैं और पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं। चूंकि सुबह के समय लोगों का दिमाग अधिक सतर्क रहता है, इसलिए महत्वपूर्ण कार्यों पर पहले ध्यान केंद्रित करने से उन्हें बाद में काम करने वाले लोगों की तुलना में बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है।2010 के हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि जल्दी उठने वाले लोग समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर लेते हैं, स्कूल में बेहतर ग्रेड प्राप्त करते हैं और अच्छी नौकरियां प्राप्त करते हैं।

3 आपको बेहतर नींद में लेने में मदद मिलती है-जल्दी उठने से जल्दी सोने में भी मदद मिलती है और आपको ज्यादा सोने का समय मिलता है। जल्दी उठने की वजह से दिन लंबे हो जाते हैं और यह आपकी सर्कैडियन लय को विनियमित करने में मदद करता है। पर्याप्त नींद लेने से आपका रक्तचाप सही होता है, आपकी इम्युनिटी और मनोदशा में सुधार हो सकता है। साथ ही मस्तिष्क के कार्य में सुधार हो सकता है।

4 ज्यादा मी टाइम-जल्दी जागने से आप सूर्योदय देख सकती हैं, जो कि अपने आप में ही एक बहुत अच्छा एहसास होता है। आप अपने पति या पत्नी के उठने से पहले घर पर शांत वातावरण में मी टाइम बिता सकती हैं। सेल्फ केयर आपकी मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है इसलिए, जल्दी उठने से आप खुद को वक़्त दे सकती हैं। साथ ही अपने पूरे दिन को अच्छे से प्लान कर सकती हैं।

5 बेहतर स्किन-यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तथ्य है कि आपकी त्वचा को जवां दिखाने के लिए ब्यूटी स्लीप की जरूरत होती है। नींद की कमी की वजह से फाइन लाइंस, झुर्रियां, काले घेरे और मुंहासे हो सकते हैं। जब आप सोती हैं तो आपकी त्वचा की कोशिकाएं बनती हैं, यूवी डैमेज को ठीक करने में मदद मिलती है। यह कोलेजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है। जल्दी उठने से आपको अपने स्किनकेयर रूटीन का आनंद लेने के लिए भी काफी समय मिल जाता है।

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

अपने देश को चाहिए ऐसी ही वीर बेटियां

वहां दिसंबर की गुनगुनी ठंड में वार्षिक खेल उत्सव का उल्लास घुला था। छात्र-छात्राएं अनुशासन में करीने से बैठे थे, सब शिक्षक सजकर अपनी-अपनी जगह विराजमान थे। कटक के प्रतिष्ठित रेवेनशॉ कॉलिजिएट स्कूल में ओड़िशा के राज्यपाल महामहिम चंद्रलाल त्रिवेदी पधारे हुए थे। ओड़िशा सरकार के माननीय राजस्व मंत्री भी मौजूद थे। भारत की गुलामी का दौर था, तो कुछ गोरे भी मुस्तैद थे और उनकी पुलिस का लवाजमा यहां-वहां तैनात था। पूरा मजमा अंग्रेज बहादुरों के हिसाब से सजा हुआ था और वहीं ऊपर बहुत शान से अंग्रेजों का ध्वज यूनियन जैक लहरा रहा था, जिसे देख-देख एक छात्रा का खून खौल रहा था। अब जब हमारे अपने राष्ट्र का ध्वज लोकप्रिय हो चला है, जगह-जगह फहराया जा रहा है, तब यूनियन जैक की क्या बिसात? अब शिक्षक क्यों डर रहे हैं और यहां तो राज्यपाल भी हैं और मंत्री भी, जिन्हें उत्कल राज्य संभालना है, तो फिर यूनियन जैक की क्या मजाल, जो यहां शान से लहराकर हमें चिढ़ाए? यहां तो अपना विजयी विश्व तिरंगा होना चाहिए, सागर की ओर से आती आजाद हवा के साथ पुरजोर लहराता हुआ! छात्रा को पता था कि अपने मन की करने के बाद क्या होगा, पर वह चंद साथियों के साथ चुपचाप यूनियन जैक की ओर बढ़ चलती है और पहुंच जाती है रेवेनशॉ की आलीशान लाल इमारत के शीर्ष पर लहराते विदेशी झंडे तक। नीचे मैदान में उत्सव में मग्न लोगों की नजर जब तक ऊपर उठती है, तब तक यूनियन जैक उतारकर तिरंगा लहरा रहा होता है।रेवेनशॉ में मौजूद छात्र, शिक्षक और माननीय अतिथि ही नहीं, बल्कि पूरे कटक शहर के लोग निहारते हैं, नीले आसमान पर तिरंगे का लहराता मान-स्वाभिमान। आखिर किसने किया कमाल? और अंग्रेजों को काटो, तो खून नहीं। वे दौड़ पड़ते हैं और 15 वर्षीय दुबली-पतली छात्रा को पकड़ लेते हैं। बुरी तरह पीटते हैं, पर वह तनिक भयभीत नहीं होती, सबके सामने सवालों की बौछार कर देती है, 'क्या उड़ीसा के मुख्यमंत्री हरेकृष्ण मेहताब को भारत की स्वतंत्रता प्राप्त करने की क्षमता पर संदेह है? आखिर वह यूनियन जैक पर सवाल क्यों नहीं उठाते? यह शोषण का प्रतीक गोरों का झंडा अब यहां क्या कर रहा है?' फिर क्या, यह तीर-सा बयान शहर, प्रदेश और देश में आग की तरह फैल जाता है। तमाम लोगों की जुबान पर यह चर्चा सज जाती है कि वीर छात्रा का नाम नंदिनी पाणिग्रही है और उसे कतई पसंद नहीं कि आजाद हो रहे देश में अब कहीं भी यूनियन जैक लहराए और उसने ठान लिया है कि उसे यूनियन जैक अगर कहीं दिखेगा, तो उसे उतारकर तिरंगा फहरा देगी। अचंभित अंग्रेज फटाफट नंदिनी का इतिहास खंगालते हैं। उनके पिता ओड़िया के बड़े लेखक हैं और चाचा शहीद वामपंथी क्रांतिकारी। नंदिनी पहले भी अंग्रेजों से दो-दो हाथ कर चुकी हैं। स्कूल से भागकर सियासी जलसों में शिरकत कर चुकी हैं। वह मां और पिता की डांट भी खूब सुनती हैं, पर उन्हें विस्तार से बताती भी हैं कि आज क्या हुआ? किस नेता को देखा, क्या सुना और क्या किया? उन्हें घर में कुनी नाम से पुकारा जाता है और उनके पिता अक्सर सिखाते हैं कि पहले देश को सामने रखना, उसके बाद समाज और सबसे बाद खुद को। कुनी ने छोटी उम्र में ही बहुत से ऐसे काम किए हैं, जो बड़े लोगों ने भी नहीं किए। ओड़िया साहित्य से विश्व साहित्य तक वह खूब पढ़ती हैं और लिखती भी हैं। बकवास के लिए उनके पास एक पल नहीं और वह अपने बुने कपड़ों को तरजीह देती हैं। बहरहाल, वीरता की एक घटना ने नंदिनी को राजनीति की मुख्यधारा में ला खड़ा किया। देश आजाद हुआ, तो वह देश सेवा के लिए समर्पित हो गईं। विवाह हुआ, तो उन्हें लोग नंदिनी सत्पथी (1931-2006) के नाम से जानने लगे। महज 31 की उम्र में उन्होंने अपनी सादगी और शौर्य से राज्यसभा को सुशोभित किया। वह केंद्र सरकार में मंत्री रहीं।

राम गोपाल सैनी

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

दर्शन

दूर से झटके से देख लूँगा तुम्हें
मैंने दर्शन किया मान लेना तुम
हालांकि मैं मान नहीं पा रहा हूँ
कि मैंने दर्शन किया
बात कुछ यूं है कि मैं
वीआईपी नहीं हूँ
गर होता तो पहुंच जाता तुम्हारे पास
और निहार लेता जी भर के
और तुम्हारे चरणों को भी छू लेता
मुझे तो तुम्हें ठीक से
देखना भी मयस्सर नहीं है
भाव अनन्त हैं पर इसका
निश्चित अंत है
मुझे तुम पर चढ़े फूल, फल
अथवा हार भी मयस्सर नहीं
भला मुझे दे ही कोई क्यों
पुजारी जी को सभी भक्त
नजर नहीं आते
असल भक्त तो वीआईपी
या टिकिट वाला है
हम तो भीड़ में चलते हैं
और धकेल दिए जाते हैं
कभी कभार बिना देखे भी
बड़ा असमंजस है मन में
के तुम्हारे दर्शन के लिए
वीआईपी होना जरुरी है या भक्त?
हो सके तो जवाब जरूर देना
और हाँ वीआईपी कोटे
की कोई सिफारिश
ले के आऊँ तो दर्शन जरूर दे देना
क्योंकि उन्हें ही तो हक़
है तुम्हें निहारने और छूने का
जबकि जानते हो उनके भाव में
और एक गरीब के भाव में
जमीन आसमान का अंतर है
ज्यादा कुछ कहूंगा तो
नाराज हो जाओगे
हो भी गए तो क्या हुआ
दर्शन तब भी नहीं देते थे
अब भी नहीं देते हो
बहुत होगा तो दोगे ही नहीं
हाँ एक बात है के मैं
प्रयास करता रहूँगा
के तुम्हारा दर्शन मिल जाए
कहा सुना माफ़ करना
अपने लम्बरदारों का
दिल साफ करना

- सिद्धार्थ गोरखपुरी

ओम प्रकाश भडाणा ने किया पदभार ग्रहण

जयपुर(नि.सं.)। देवनारायण बोर्ड के नव नियुक्त अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाणा ने सचिवालय स्थित बोर्ड के कार्यालय में विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर भडाणा ने कहा कि वे इस दायित्व के माध्यम से सरकार कि नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सरकार ने एक किसान के बेटे और सामान्य कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण जिमेदारी दी है। उन्होंने कहा कि देवनारायण बोर्ड के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचाने का पूर्ण प्रयास रहेगा। भडाणा ने कहा कि बोर्ड द्वारा संचालित आवासीय छात्रावासों एवं विद्यालयों में छात्र हित के मद्देनजर बेहतर व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा।

वहीं बोर्ड का बजट दोगुने से अधिक करवा कर भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी प्रशासन के माध्यम से बोर्ड के उद्देश्यों को पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर देवनारायण बोर्ड के अधिकारी एवं कार्मिकों सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दिल की फरियाद

तबीयत नाशाद थी दिल
की फरियाद थी,
रेशमी धागा और गुलाब की बात थी,
रेशमी रुमाल में गुलाब की सुगंध
छू गई अंतर्मन,
मोहब्बत में कितना निभाना पड़ता है
खुद को खुद ही बताना पड़ता है,
रुमाल कोई भी हो इस्तेमाल करने
से पहले सहज कर दिखाना पड़ता है,
तुम्हें हम संगमरमर तो नहीं कहते
परंतु संगमरमर सा सजाना पड़ता है,
दिल की फरियाद को दिल
को बताना पड़ता है।
दिल के बाग को बगीचा
बनाना पड़ता है,
तरह-तरह का फूल लगाना पड़ता है,
माली की तरह देखभाल
कर दिखाना पड़ता है,
उन फूलों में भी एक फूल
को दिल से लगाना पड़ता है,
सभी फूलों को एक रोज
बगीचा छोड़ जाना पड़ता है,
मोहब्बत चंचल मन की
चमक होती है,
मोहब्बत से ही तो दुनिया
की चमक-धमक होती है,
दिल की फरियाद दिल से होती है।
शहर बदला तो महबूब बदल
जाते हैं, दिल की क्या कहें
दिल तो हूब हू बदल जाते हैं,
इस जमाने में इतनी रौनक नहीं
जितनी हम इनायत लिए चलते हैं,
तुमने मोहब्बत की बात की है तो
मोहब्बत में हम महबूब को
लिए चलते हैं,
गुस्ताखी तो यहां है की बिन
बताए लिए चलते हैं,
महबूब को सताने का
मौका नहीं देते हैं,
खुद को खुद ही सताए
लिए चलते हैं,
दिल की फरियाद को
दिल में दबाए लिए चलते हैं।
गम शिकायत शिकवा
सबको परे कर दिया हमने,
मजबूरियों के दामन में दबे हुए थे,
मोहब्बत के नाम पर हम मोहब्बत
का मरहम लिए हुए थे,
तुम पूछते तो सही हम बताते दिल में
मोहब्बत तुम्हारे लिए लिए हुए थे,
पर तुमने पूछा नहीं हमने बताया नहीं
दिल की बात दिल में लिए हुए थे,
दिल के फरियाद को फरियाद
ही रहने दिया हमने,
दिल की बात को दिल में ही
रहने दिया हमने।

मीनू वर्मा

संघ पैतृक संगठन है, उनके सुझावों को अमल में लाते हैं:दुष्यंत गौतम

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि संघ भाजपा का पैतृक संगठन है और उनके जो भी सुझाव आते हैं, पार्टी उसे अमल में लाती है। आईएएनएस से खास बातचीत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि संघ हमारा पैतृक संगठन है और पैतृक संगठन ऐसे ही होते हैं, जैसे परिवार में माता-पिता होते हैं। उनके जो भी सुझाव आते हैं, पार्टी उसे अमल में लाती है। आईएएनएस से बात करते हुए दुष्यंत गौतम ने आगे कहा कि चिंतन करना एक ऐसी प्रक्रिया है जो लगातार चलती रहती है। चुनाव में जब भी मनमाफिक नतीजा नहीं आता है तो चारों तरफ से सुझाव आते हैं।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित, मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादक: सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा